अरुणिमा सिन्हा

अरुणिमा सिन्हा ना सिर्फ एक प्रसिद्ध फुटबॉल और वॉलीबॉल खिलाडी है, उन्होंने माउंट एवेरेस्ट भी फ़तेह किया है। उन्हें बचपन से फुटबॉल और साइकिलिंग का शौक था। वह राष्ट्रीय स्तर पर वॉली बॉल की खिलाडी रह चुकी हैं। पारा मिलिट्री में जुड़ने के लिए इंटरव्यू देने के लिए जाते समय, ट्रैन में एक खतरनाक हादसा पेश आया जिसने उनकी ज़िन्दगी का रुख बदल दिया। चलती ट्रैन से गिर कर अपना एक पैर खो देने के बावजूद उनके जज़्बे और हिम्मत में कमी नहीं आयी। उन्होंने इलाज कराने के साथ ही कोह इ पैमा (पहाड़ फ़तेह करने वाली) बनने का न सिर्फ इरादा किया, बल्कि उसे पूरा करते हुए, सातों महाद्वीपों की ऊँची चोटियों को सर कर, वहाँ हिन्दोस्तां का परचम लहराया।

उनके शानदार कारनामो और ऊंचे हौसले के चलते, उन्हें पद्मश्री के अलावा ६ पुरस्कार से नवाज़ा गया। इनाम की रकम से वह गरीब और विकलांग बच्चों के लिए मुफ्त स्पोर्ट्स अकादमी शुरू करना चाहती है।

२०१४ में उन्होंने 'Born Again in the Mountains ' नाम की किताब लिखी। अपने आसमान छूटे हौसले, बिना थके संघर्ष और महनत से अरुणिमा सिन्हा हमारे लिए एक मिसाल है।